# आईएचआरसी का 63वाँ सत्र उत्तर प्रदेश राज्य अभलिखागार में आयोजति

## चर्चा में क्यों?

18-19 दसिंबर, 2022 को उत्तर प्रदेश राज्य अभलिखागार, लखनऊ में भारतीय ऐतहासिक अभलिख समति (आईएचआरसी) के 63वें सत्र का आयोजन कयिा गया।

## प्रमुख बदिु

- आईएचआरसी के 63वें सत्र का उद्घाटन दया शंकर सहि, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), परविहन मंत्रालय, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 18 दसिंबर को कयिा गया।
- सत्र के दौरान भारत के राष्ट्रीय अभलिखागार के संग्रह से मूल अभलिखीय स्रोतों के आधार पर 'स्वतंत्रता की गाथा: ज्ञात और अल्प ज्ञात संघर्षों'नामक एक प्रदर्शनी का भी उद्घाटन कयिा गया।
- दो दविसीय सत्र में पहले दनि उद्घाटन और व्यावसायकि सत्र और अगले दनि शैक्षणकि सत्र का आयोजन कयिा गया। वद्विानों द्वारा भारतीय इतहिास में 1600 ई. के पश्चात् के मूल स्रोतों पर आधारति कुल 24 शोधपत्र इतहिास के वभिन्नि पहलुओं पर प्रस्तुत कयिा गया।
- भारतीय ऐतहासिक अभलिख समति (आईएचआरसी) अभलिखों के रचनाकारों, संरक्षकों और उपयोगकर्त्ताओं का एक अखलि भारतीय मंच है जसिकी स्थापना 1919 में अभलिखों के प्रबंधन और ऐतहासिक अनुसंधान के लयि उनके उपयोग से जुड़े सभी मुद्दों पर भारत सरकार को सलाह देने के लयि की गई थी।
- नई दल्लिी स्थति भारतीय राष्ट्रीय अभलिखागार, भारतीय ऐतहासिक अभलिख समति (1911 में भारतीय ऐतहासिक अभलिख समति के तौर पर फरि से नामति) का सचविालय है।
- आईएचआरसी की अध्यक्षता केंद्रीय संस्कृत मिंत्री करते हैं और इसमें 134 सदस्य शामलि हैं जनिमें भारत सरकार की एजेंसयिाँ, भारत सरकार के नामांकति व्यक्त,ि राज्य/केंद्रशासति प्रदेशों के अभलिखागार, वशि्ववद्यालयों और वद्विान संस्थानों के प्रतनिधि शिामलि हैं। आईएचआरसी ने अब तक 62 सत्र आयोजति कयि हैं।
- समति के दो सहायक नकिाय हैं, (i) समतियिों के सत्रों में प्रस्तुत करने के लयि अभलिखीय स्रोतों के आधार पर कागजात की जाँच एवं अनुमोदन करने के लयि संपादकीय समति और (ii) स्थायी समति अपनी सफिारशिों पर समति द्वारा की गई कार्रवाई की समीक्षा करने और इसके बारे में समति की बैठक के एजेंडे पर अपने वचिार व्यक्त करने के लयि। संस्कृत मिंत्रालय के सचवि आईएचआरसी की स्थायी समति के अध्यक्ष के रूप में कारय करते हैं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/63rd-session-of-ihrc-held-at-uttar-pradesh-state-archives